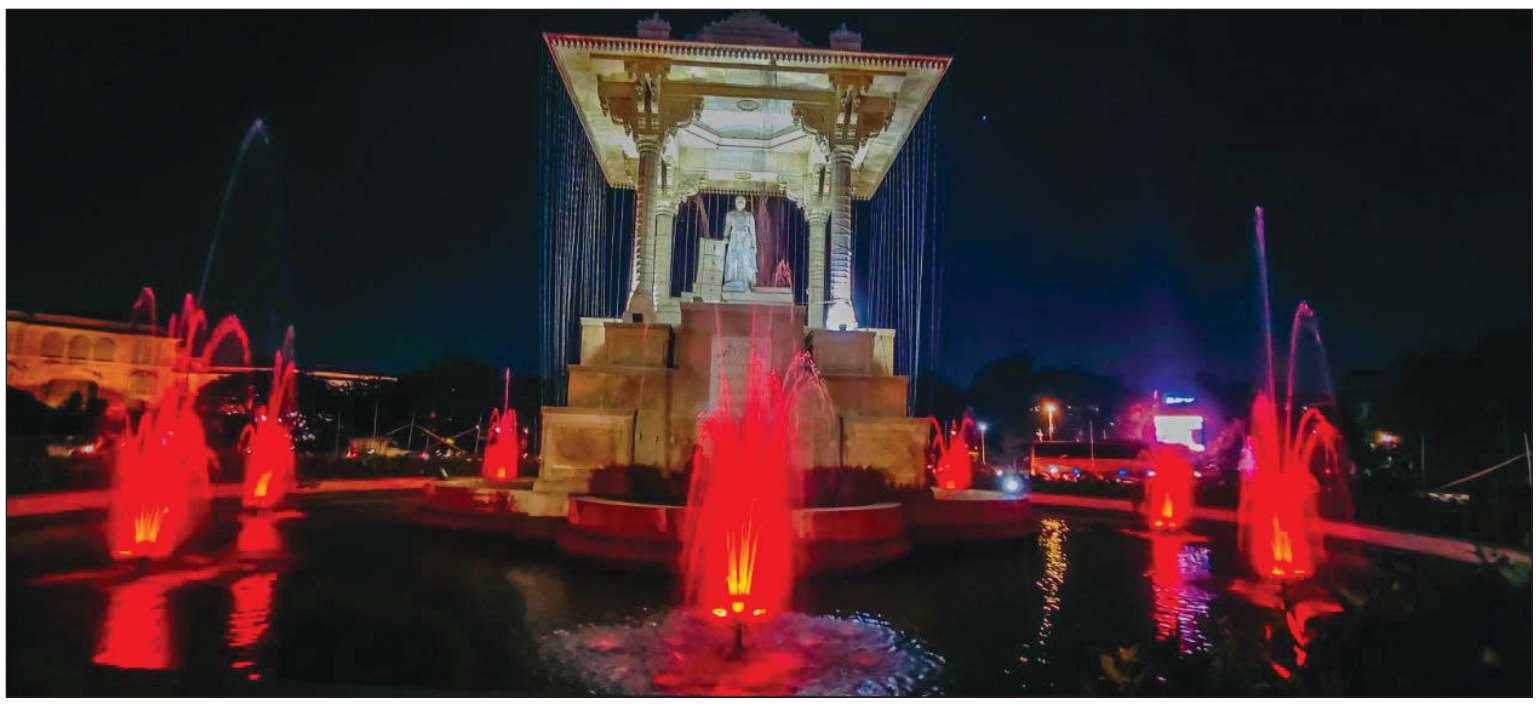

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, देशी विदेशी मेहमानों तथा गणमान्य अतिथियों की अगुवाई के लिए सजे संवरे जयपुर की खूबसूरत छटा देखते ही बनती है। 9 दिसंबर से शुरू होने वाले राइज़िंग राजस्थान समिट 2024 के लिए मेहमानों का आना शुरू हो गया है।

प्रधानमंत्री के उद्घाटन से कल शुरु होगा राइज़िंग राजस्थान समिट

मुख्यमंत्री भजनलाल के आमंत्रण पर उद्योगपति, प्रवासी राजस्थानी, विदेशी प्रतिनिधि व निवेशक बड़ी संख्या में आयेंगे

- उद्घाटन सत्र में कुमार मंगलम बिड़ला, अनिल अग्रवाल, गौतम अडानी, आनन्द महिन्द्रा, संजीव पुरी, अजय श्रीराम आदि प्रमुख उद्योगपति भाग लेंगे।
- तीन दिवसीय समिट में 32 देशों के प्रतिनिधि, 5000 से अधिक निवेशक, व्यापार जगत के अधिकारी व डैलिगेट्स शामिल होंगे।

जयपुर, 7 दिसंबर। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जयपुर में "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024" का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री इन्वेस्टमेंट समिट के मुख्य अतिथि हैं और उद्घाटन के बाद वे कार्यक्रम में मौजूद लोगों को सम्बोधित भी करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय मंत्रिमंडल और राज्य मंत्रिमंडल के कई सदस्य, 5000 से अधिक निवेशक, कारोबार और व्यापार जगत के अधिकारी, डेलीगेट्स और अन्य प्रतिभागी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री राजस्थान ग्लोबल बिजनेस एक्सपो का भी उद्घाटन करेंगे।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्वागत भाषण से होगी, जिसमें वे राज्य के विकास के लिए किए जा रहे कामों, राज्य सरकार का एजेंडा और अगले 5 वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना करके 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के बारे में चर्चा कर सकते हैं।

उद्घाटन सत्र में कुमार मंगलम बिड़ला, अनिल अग्रवाल, गौतम अडानी, आनंद महिंद्रा, संजीव पुरी, अजय एस. श्रीराम जैसे शीर्ष उद्योगपति और जापान के राजदूत केइची ओएनओ सहित, कई व्यापारिक समूहों के शीर्ष अधिकारी और राजनयिक भी शामिल होने जा रहे हैं। उद्घाटन सत्र में कुछ प्रतिष्ठित उद्योगपति अपने विचार साझा करेंगे। समिट में 32 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं, जिनमें 17 देशों की भागीदारी "पार्टनर कंट्री" के रूप में होने जा रही है। तीन दिवसीय इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान प्रतिभागी देशों और राजस्थान के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए कुल 8 देशों के लिए कंट्री सैशन्स और राउंडटेबल का आयोजन भी किया जा रहा है। भाग लेने वाले 34 देशों में, 17 देश इन्वेस्टमेंट समिट के 'पार्टनर कंट्री' हैं, जिनमें डेनमार्क, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, मलेशिया, स्पेन, क्यूबा, वेनेजुएला, मोरक्को, अर्जेंटीना, ब्राजील, कोस्टा रिका, नेपाल, ओमान, पोलैंड और थाईलैंड शामिल हैं। बाकी देश, जो विभिन्न क्षमताओं में इस इन्वेस्टमेंट समिट में भाग ले रहे हैं, उनमें अमेरिका, यू.के., जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मिस्त्र, फिनलैंड, रूस, सेशेल्स, चाड, इक्वाडोर, घाना, इराक, मेडागास्कर, पैराग्वे और जिम्बाब्वे शामिल हैं।

इन्वेस्टमेंट समिट के मुख्य आकर्षणों में, उद्घाटन और "कंट्री सेशन्स" के अलावा, प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव, एम.एस.एम.ई. कॉन्क्लेव और 12 क्षेत्रों के लिए थीमैटिक सत्र शामिल हैं। राजस्थानी कॉन्क्लेव का उद्देश्य दुनिया भर में फैले हुए प्रवासी राजस्थानी को एक मंच पर लाना और उनके बीच आपसी सहयोग और राजस्थानी होने की भावना को बढ़ावा देना है। एम.एस.एम.ई. कॉन्क्लेव में एम.एस.एम.ई. उद्यमी, निवेशक, दुनिया के कई विशेषज्ञ, उद्योग और व्यापार जगत के शीर्ष अधिकारी, केंद्र और राजस्थान सरकार के अधिकारी वगैरह शामिल होंगे।

12 दिसंबर को सुप्रीम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने हिन्दू याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर याचिकाओं को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि उक्त याचिकाओं से देश भर की अनगिनत मस्जिदों के विरुद्ध मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी। इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी, 1991 के कानून के कुछ प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं का विरोध करते हुए शीर्ष अदालत पहुँचा है।

जानवापी मस्जिद का प्रबंधन देखने वाली, कमेटी ऑफ मैनेजमैंट अंजुमन इंतजामिया मस्जिद ने हस्तक्षेप आवेदन दायर किया है और 1991 के कानून को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज करने की मांग की है। अधिनियम को चुनौती देने वाली एक याचिका में कहा गया है कि "अधिनियम में भगवान राम के जन्मस्थान को शामिल नहीं किया गया है, लेकिन भगवान कृष्ण के जन्मस्थान को शामिल किया गया है, जबकि, दोनों ही भगवान विष्णु के अवतार है, जो विश्वभर में पूजे जाते हैं।

याचिकाएं यह कहते हुए, 1991 अधिनियम के सैक्शन 2, 3 और 4 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती हैं कि ये धर्मनिरपेक्षता तथा कानून के शासन के सिद्धांतों का उल्लंघन करती हैं, जो कि संविधान की मूल संरचना तथा प्रस्तावना का अभिन्न अंग है।

याचिका में आगे कहा गया कि यह अधिनियम, सांस्कृतिक विरासत से जुड़े अपने पूजा स्थल तथा तीर्थस्थलों को वापस लेने के, हिन्दुओं, जैनों, बौद्धों तथा सिखों के अधिकारों को खत्म करता है, जबकि, वक्फ बोर्ड एक्ट के सैक्शन 107 के तहत, मुसलमानों को ये अधिकार प्राप्त हैं।

जनहित याचिकाओं में कहा गया है कि केन्द्र सरकार ने मनमाने तरीके से पूर्व प्रभावी कट ऑफ तारीख तय कर दी और घोषित किया कि पूजास्थलों व तीर्थों का वही स्वरुप कायम रखा जाए, जो 15 अगस्त 1947 को था और आक्रमणकारियों के हमले से तीर्थों पर किए गए कब्जे के खिलाफ कोर्ट में कोई केस नहीं दायर होना चाहिए, ऐसे मामलों में कमी आनी चाहिए।

ग्रामीण विकास...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गत 28 मार्च को 1.70 लाख रुपए का अवार्ड जारी किया था। याचिका में बताया गया कि लोकपाल की ओर से जारी अवार्ड को पंचायती राज विभाग की संशोधित गाइडलाइन, 2023 के तहत गठित तीन सदस्यीय अपीलीय अधिकरण में चुनौती दी जाती है। राज्य सरकार की ओर से गाइडलाइन जारी करने के बावजूद, विभाग ने अभी तक अपीलीय अधिकरण का गठन नहीं किया है, जिसके चलते हाईकोर्ट में याचिका दायर करनी पड़ी है। इस पर अदालत ने प्रमुख सचिव को तत्काल कमेटी गठित करने और अगले दस दिन में इस संबंध में उठाए गए कदमों की जानकारी देने को कहा है।

संविदाकर्मी की नियुक्ति...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने आदेश संजू की अपील पर दिए। अपील में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी हनुमानगढ़ में महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में अंग्रेजी विषय के द्वितीय श्रेणी शिक्षक पद पर तैनात है। उसका साक्षात्कार के जरिए चयन कर 8 सितंबर, 2022 को नियमित नियुक्ति हुई है। इसके बावजूद, गत 11 सितंबर को एक संविदाकर्मी को एक साल के लिए इस स्कूल में नियुक्त किया गया और अपीलार्थी को सरप्लस घोषित कर दिया। वहीं, बाद में उसका दूसरी स्कूल में तबादला भी किया गया। अपील में कहा गया कि संविदाकर्मी को नियुक्त कर नियमित कर्मचारी को सरप्लस घोषित नहीं किया जा सकता। ऐसे में उसे सरप्लस घोषित करने और तबादला आदेश को रद्द किया जाए।

महिला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया, जिसमें उन अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिनके पास आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में दस साल का अनुभव नहीं था। वहीं, चयन प्रक्रिया में विधवा और तलाकशुदा महिलाओं को भी तय आरक्षण का लाभ नहीं दिया गया। वहीं, ऐसे कई अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया, जिन्होंने लिखित परीक्षा ही पास नहीं की थी।

हूडा के माथे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनका सोचना गलत था। इस बीच, के.पी. सिंह, जो हरियाणा के सबसे बड़े जमींदार हैं, अब भाजपा के साथ हो गये हैं, क्योंकि उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये भाजपा के प्रति काफी उदार रख अपना लिया था।

एक अन्य महत्वपूर्ण कारक, जिसने हरियाणा में सत्तासीन पार्टी की मदद की थी, यह था कि मुख्यमंत्री सैनी ने ओ.बी.सी. मतदाताओं को एकजुट कर लिया था तथा आर.एस.एस. ने मोदी से कह दिया था कि वे थोड़ा शान्त रहें। अधिकांश भाजपा उम्मीदवारों के पोस्टरों पर मोदी की तस्वीर बहुत कम दिखाई दी। (इसी स्थिति की पुनरावृत्ति महाराष्ट्र में की गई।)

चुनाव से ठीक पहले, गुरमीत राम रहीम को पैरोल पर रिहा किये जाने से भी भाजपा को मदद मिली थी। उसका जेलर अब चरखी दादरी से विधायक है। तथा इसके अलावा, इसे एक संयोग ही कहा जायेगा कि भाजपा उन सभी सीटों पर विजयी रही, जहाँ ई.वी.एम. बैटरियों में 99 प्रतिशत चार्ज था।

कांग्रेस और भाजपा के वोट - शेयर में मामूली सा ही, 1 प्रतिशत से भी कम, अन्तर था। ज्यादातर लोगों, जिनमें भाजपा -समर्थक चुनाव विश्लेषक भी शामिल हैं, ने सोचा था कि कांग्रेस जीतेगी। लेकिन ऐसा सोचना गलत सिद्ध हुआ।

'इण्डिया गठबंधन ठीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजीव गांधी के उस समर्थन और सहयोग का लाभ उठाया। उसके बाद, उन्होंने कांग्रेस से केवल ऊपरी एवं औपचारिक संबंध रखे तथा सही समय पर उन्होंने बंगाल में पार्टी को तोड़कर, अपनी तृणमूल कांग्रेस बना ली। सोनिया गांधी के प्रति तो उनकी श्रद्धा थी, लेकिन उनके बेटे राहुल गांधी के प्रति तो वे हमेशा आक्रोश और कटुता से भरी रहीं।

उन्होंने विभिन्न अवसरों पर, राहुल को एक "प्रवासी पक्षी" बताया तथा उन्हें एक ऐसा व्यक्ति माना है जिसकी कोई राजनैतिक पहचान एवं अस्मिता नहीं है। प्रियंका गांधी के लिए भी उनके पास कभी अच्छे शब्द नहीं रहे। और उन्होंने अपने अकेले के दम पर, बंगाल से कांग्रेस का पूरी तरह सफाया कर दिया है। आज वहां कांग्रेस की कोई राजनैतिक मौजूदगी नहीं है।

इस परिस्थितियों में, उनके राष्ट्रीय भूमिका में आने को लेकर, कांग्रेस का अस्वीकृति का रुख होना स्वाभाविक ही है। लेकिन कांग्रेस के पास यह दमदार बिन्दु जरूर है कि ममता बनर्जी बंगाल से बाहर अपनी उपस्थिति तक दर्ज कराने में बुरी तरह असफल रही है। चुनावों की सतत श्रृंखला के बावजूद, किसी भी राज्य विधानसभा तथा संसदीय चुनावों में बंगाल के अलावा, कहीं भी वे एक भी सीट नहीं जीत सकी हैं। देश में अन्य किसी भी जगह अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में असफल रहने के कारण ही, चुनाव आयोग ने उनकी तृणमूल कांग्रेस का स्तर घटाकर, उसे एक क्षेत्रीय दल के स्तर पर ला दिया है।

बंगाल से बाहर, किसी भी स्थान पर एक भी सीट नहीं जीत सकने वाली ममता बनर्जी अब भी राष्ट्रीय नेता बनने की आशा संजोये हुए हैं क्योंकि भारत में एक अनोखे प्रधानमंत्रियों के भी उदारण हैं, जिनकी एच. डी. देवेगौड़ा तथा इन्द्रकुमार गुजराल, जिनकी राष्ट्रीय नेता के रूप में कोई पहचान नहीं थी।

लेकिन राजनीति में कुछ भी संभव है। खैर जो भी हो इंसान उम्मीदें तो पाल ही सकता है। उम्मीदें हमेशा मन में बनी रहती हैं।

समाजवादी पार्टी ने महा विकास अघाड़ी छोडी

- प्रदेश अध्यक्ष अबू आज़मी ने कहा, उद्धव ठाकरे हारने के बाद हिन्दुत्व के एजेन्डा पर चल रहे हैं।

मुंबई, 07 दिसम्बर। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) को तगड़ा झटका लगा है। समाजवादी पार्टी ने एम.वी.ए. से बाहर होने का फैसला किया है। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने इस संबंध में बड़ा ऐलान किया है। अबू आज़मी ने कहा कि हम महा विकास आघाड़ी से बाहर हो गये हैं। एम.वी.ए. में हमारा अपमान हुआ, वह भी हमने सहा। लेकिन उद्धव ठाकरे चुनाव हारने के बाद अब हिंदुत्व का एजेंडा लेकर चल रहे हैं। छह दिसंबर बाबरी डिमोलिशन बरसी का जश्न मनाते हैं। हम यह बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम एम.वी.ए. में नहीं रह सकते। अखिलेश यादव भी मेरी बात से सहमत होंगे।

इससे पहलेत्र शुक्रवार को शिवसेना नेता एवं उद्धव ठाकरे के करीबी मिलिंद नार्वेकर ने एक्स पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें बाल ठाकरे, उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे के साथ-साथ उनकी खुद की तस्वीरें भी थीं। पोस्ट में बालासाहेब के उस बयान का हवाला दिया गया है जिसमें उन्होंने बाबरी मस्जिद विध्वंस के लिए कार सेवकों की प्रशंसा की थी, जिसमें कहा गया था, जिन्होंने यह किया, मुझे उन पर गर्व है। इस पोस्ट के परिप्रेक्ष्य में, राजनीति के गलियारों में यह अटकलें लगनी शुरू हो गयीं कि क्या शिवसेना (यू.बी.टी.) सत्तारुढ़ भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है और अपने कट्टर हिंदुत्व रुख पर वापस जा सकती है।

5 साल की पोती...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रचना मान ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर अभियुक्त के बेटे की पत्नी ने गत 21 मार्च को मुहाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका ससुर नशा करने का आदी है। वह उसकी पांच साल की बेटी से कई बार दुष्कर्म कर चुका है। बीते दिन भी अभियुक्त ने मौका पाकर पीडिता से दुष्कर्म किया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अभियुक्त को 26 मार्च को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने भी अपने बयानों में घटना को दोहराया। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसकी गांव में जमीन है, जिसे पीड़िता की मां अपने नाम कराने के लिए दबाव डाल रही थी। जब उसने ऐसा नहीं तो उस पर दुष्कर्म का आरोप लगा दिया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई है।

पहली बार विद्याधर नगर में लैपर्ड घुसा, दहशत फैली

पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग उसे ट्रैंकुलाइज़ कर सका

जयपुर, 7 दिसम्बर। राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर इलाके में शनिवार दोपहर को एक लैपर्ड जंगल से निकलकर आबादी क्षेत्र में पहुंच गया और गार्डन से निकलकर कभी अपार्टमेंट तो कभी सड़क पर दौड़ता रहा। इस बीच लैपर्ड ने 2 लोगों पर हमला कर जख्मी कर दिया। उसके मूवमेंट के कारण करीब 5 घंटे तक पूरे क्षेत्र में दहशत रही, आखिरकार, कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने शाम 5:22 बजे लैपर्ड को ट्रैंकुलाइज कर लिया।

डिप्टी कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट (डी.सी.एफ.) जगदीश गुप्ता ने बताया कि विद्याधर नगर में लैपर्ड के मूवमेंट की जानकारी मिली थी। लैपर्ड सरकारी गेस्ट हाउस और सी.पी.डब्ल्यु.डी. गार्डन में पौधों के पीछे दिखाई दिया। वन विभाग की टीम जब मौके पर पहुंची तो लैपर्ड सड़क पर दौड़ता हुआ नजर आया। इस दौरान लेपर्ड ने दो लोगों पर भी हमला कर दिया, जिससे वे जख्मी हो गए। लोगों की भीड़ ज्यादा होने की वजह से लैपर्ड इधर से उधर दौड़ लगाता रहा। लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। भीड़ को मौके से दूर हटाने का प्रयास किया गया।

वरिष्ठ वन्यजीव पशु चिकित्सक डॉक्टर अरविंद माथुर के अनुसार, वन विभाग की टीम ने करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लैपर्ड को ट्रैंकुलाइज करके रेस्क्यू किया।

गुप्ता ने बताया कि विद्याधर नगर इलाके से नाहरगढ़ वन क्षेत्र का काफी हिस्सा जुड़ा हुआ है। ऐसे में भोजन या पानी की तलाश में निकले लैपर्ड का मूवमेंट इस क्षेत्र में हो सकता है। ज्ञातव्य है कि जयपुर के झालाना और आमागढ़ में लैपर्ड रिजर्व होने की वजह से बड़ी संख्या में लैपर्ड का मूवमेंट रहता है। इससे पहले वह जयसिंहपुरा खोर में मानबाग और जगतपुरा की आशियाना ग्रीनवुड सोसायटी में नज़र आया था। जमवारामगढ़ इलाके में लैपर्ड ने एक मासूम बच्चे को मौत के घाट उतार दिया था।

जयपुर में पिछले कुछ वक्त से लैपर्ड की संख्या लगातार बढ़ रही है। झालाना, आमागढ और नाहरगढ़ सफारी में लगभग 75 लैपर्ड रह रहे हैं। इनमें सबसे अधिक, लगभग 45 लैपर्ड, झालाना में हैं। वहीं, 20 से ज्यादा लैपर्ड आमागढ़ के जंगलों में हैं। जयपुर देश का पहला ऐसा शहर है, जहां 2 लैपर्ड सफारी, एक लायन सफारी, एक टाइगर और एक एलिफेंट सफारी है।

जयपुर के विद्याधर नगर इलाके में लैपर्ड आने से करीब 5 घंटे दहशत रही। जिसे कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने शाम 5:22 बजे ट्रैंकुलाइज कर लिया।

- लैपर्ड मकान की छत पर, सी.पी.डब्ल्यु.डी. गार्डन के पीछे तथा सड़क पर दौड़ता हुआ नजर आया।
- नाहरगढ़ वन क्षेत्र विद्याधर नगर से जुड़ा होने के कारण, यह माना जा रहा है कि लैपर्ड भोजन या पानी की तलाश में रिहायशी क्षेत्र में आया होगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908